



सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 120]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 12, 2004/आषाढ़ 21, 1926

No. 120]

NEW DELHI, MONDAY, JULY 12, 2004/ASADHA 21, 1926

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

मुम्बई, 5 जुलाई, 2004

फा. सं. ए-38020/1/2003-टीएम्पी.—महापत्तन व्यास विनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 47-ए और धारा 123-क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्र सरकार की सहमति से महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण एतद्वारा वर्तमान उपर्युक्त खंड को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित करने के लिए महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण (कार्य संचालन) विनियम, 1998 के खंड 21 (i) में संशोधन करता है :

“21(i) इच्छुक पक्षों की अधिकतम संख्या की अधिकतम भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए इस प्राधिकरण द्वारा प्रस्तावों पर, अधिनियम की धारा 111 के अधीन निदेश के कार्यान्वयन को छोड़कर, कार्यवाही करने के लिए परामर्शी प्रक्रिया अपनाई जाएगी।”

अ. ल. बोंगिरवार, अध्यक्ष

[विज्ञापन/III/IV/143/04-असा.]

TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS

NOTIFICATION

Mumbai, the 5th July, 2004

F. No. A-38020/1/2003-TAMP.—In exercise of the powers conferred by Section 47-E and Section 123-A of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963) and with the concurrence of the Central Government the Tariff Authority for Major Ports hereby amends Clause 21(i) of the Tariff Authority for Major Ports (Transaction of Business) Regulations, 1998 to substitute the existing above said clause with the following :

“21(i) To promote the greatest participation of the greatest number of interested parties a consultative process shall be adopted by the Authority to process proposals except in implementation of a direction under Section 111 of the Act.”

A. L. BONGIRWAR, Chairman

[ADVT/III/IV/143/04-Exty.]